मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया अमर बलिदानियों की गौरव गाथा का स्मरण

आत्मनिर्भरता के लिए स्वदेशी अपनाए : मुख्यमंत्री

हरिभूमि, जबलपुर। जबलपुर की धरती को वीरों और महावीरों की भूमि बताते हुए, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अमर शहीद राजा शंकर शाह और रघुनाथ शाह के बलिदान दिवस के अवसर पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि यह धरती सदैव वीरता, शौर्य और पराक्रम का प्रतीक रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव यहां घंटाघर स्थित नेताजी सुभाषचंद्र बोस संस्कृति एवं सूचना केन्द्र में आयोजित गोंडवंश के शासक और जनजातीय समाज के गौरव राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह के 168वें बलिदान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम में सीएम डॉ. यादव के साथ मंच पर लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, राज्यसभा सदस्य श्रीमती सुमित्रा बाल्मीकि, सांसद आशीष दुबे, महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू', विधायक अशोक रोहाणी, डॉ. अभिलाष पांडे, नीरज सिंह एवं संतोष बरकड़े, भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर एवं जिला अध्यक्ष राजकुमार पटेल भी मौजूद थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राजा शंकर शाह और रघुनाथ शाह की पिता-पुत्र की अनोखी जोड़ी के पराक्रम का स्मरण करते हुए कहा कि यह दुर्लभ है कि पिता जिस मार्ग पर चलें, पुत्र भी उसी मार्ग का अनुसरण करे। उन्होंने बताया कि दोनों ने अपने राष्ट्र और धर्म तथा रणचंडी दुर्गा भवानी पर गर्व करते हुए, अंग्रेजों के सामने झुकने से इनकार कर दिया था। उन्होंने कहा कि राजा शंकर शाह एक अलग मिट्टी के बने हुए थे। जहाँ बड़े-बड़े शासक अंग्रेजों की धाक के आगे अपनी आवाज नहीं उठा पाते थे, वहीं राजा शंकर शाह न केवल डंके की चोट पर अपनी बात रखते थे, बल्कि कविताओं और गीतों के माध्यम से पूरे आदिवासी अंचल में राष्ट्रीयता की अलख जगाते थे। वे अपनी रचनाओं से इस धरती, नर्मदा घाटी, जंगलों और आदिवासी समाज की रक्षा के लिए प्रेरणास्त्रोत थे। राजा शंकर शाह व कुंवर रघुनाथ शाह ने अंग्रेजों से कहा था कि यदि इस धरती ने हमें जन्म दिया है, तो हमें अंग्रेज ही क्या कोई भी गुलाम नहीं बना सकता।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उनके बलिदान को याद करते हुए कहा कि राजा शंकर शाह और रघुनाथ शाह को अंग्रेजों ने लालच दिया, लेकिन उन्होंने उसे ठुकरा दिया और अपना धर्म तथा राष्ट्रीय स्वाभिमान को नहीं छोड़ा और राष्ट्र तथा धर्म के प्रति अपने सर्वस्व बलिदान को श्रेष्ठ समझा। अंग्रेजों ने बिना मुकदमा चलाये ही उन्हें तोप के सामने खड़ा कर दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिन्होंने भारत माता के चरणों में अपना सर्वस्व न्यौछावर करने का संकल्प लिया हो, उनके आगे तोप के गोले भी छोटे पड़ जाते हैं, मौत भी उनका कुछ नहीं कर सकती। डॉ. यादव ने जोर देकर कहा कि राजा शंकर शाह व कुंवर रघुनाथ शाह ने जीते-जी बलिदान होकर अमर होने का रास्ता चुना। उनका यह बलिदान जनजातीय ही नहीं बल्कि संपूर्ण समाज के लिए प्रेरणा स्त्रोत है।

प्रधानमंत्री मोदी के स्वदेशी अभियान पर जोर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनजातीय समुदाय के प्रति स्नेह भाव को व्यक्त करते हुए कहा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के प्रधानमंत्री ने अपना जन्मदिन मध्यप्रदेश के धार जिले आकर आदिवासी भाई-बहनों के बीच मनाया, जो उनके प्रेम और समरसता की भावना को दर्शाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि माता-बहनें अपने परिवार की सेवा करते हुए अपनी बीमारी को भूल जाती हैं और अपने स्वास्थ्य का ध्यान नहीं रखती हैं। विगत दिवस प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने धार जिले से स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान की शुरूआत करते हुए माताओं-बहनों से अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिए कहा, क्योंकि अगर वे स्वस्थ रहेंगी तो परिवार भी अच्छा रहेगा, यही स्वस्थ भारत की कल्पना को साकार करेगा। उन्होंने कहा कि माताओं-बहनों की जांच व उपचार की व्यवस्था सरकार के द्वारा की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने किया अमर शहीदों के संग्रहालय का अवलोकन

सन 1857 की क्रांति के नायक गोंडवंश के शासक जनजातीय समाज के गौरव राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह के 168 वें बलिदान दिवस पर श्रद्धासुमन अर्पित करने जबलपुर पहुँचे मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने अमर शहीद पिता-पुत्र की शौर्य और पराक्रम को संजोने यहाँ बनाये गये संग्राहलय का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने संग्रहालय परिसर स्थित बंदी गृह में राजा शंकर शाह-कुंवर रघुनाथ शाह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसी बंदी गृह में अंग्रेजों ने पिता-पुत्र राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह को बलिदान के पूर्व कैद कर रखा था। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने संग्रहालय की प्रत्येक गैलरी का भ्रमण भी किया तथा राजा शंकर शाह-कुंवर रघुनाथ शाह के शौर्य और पराक्रम पर केंद्रित लघु फिल्म देखी।

मुख्यमंत्री ने रानी दुर्गावती चिकित्सालय में किया श्रमदान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सेवा पखवाड़ा के तहत गुरुवार को रानी दुर्गावती चिकित्सालय में साफ-सफाई के लिए श्रमदान किया। इस श्रमदान अभियान में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, सांसद श्रीमती सुमित्रा बाल्मीक, आशीष दुबे, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक अशोक रोहाणी, संतोष बरकड़े, अभिलाष पांडे, नीरज सिंह, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन तथा संभागीय कमिश्नर धनंजय सिंह सहित अन्य गणमान्य नागरिक व प्रशासनिक अधिकारियों ने भी भाग लिया।

पिता पुत्र की शहादत हमेशा अमर रहेगी : मुख्यमंत्री

जबलपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि गोंडवाना राज्य के सम्राट अमर शहीद राजा शंकर शाह एवं उनके बेटे कुंवर रघुनाथ शाह ने अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह कर देश की रक्षा के लिए अपना बलिदान दिया। उनके शहादत और बलिदान हमें देश प्रेम और अपनी संस्कृति की रक्षा की प्रेरणा देते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 18 सितम्बर को जबलपुर में राजा शंकर शाह एवं कुंवर रघुनाथ शाह के 168वें बलिदान दिवस पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करने के बाद उपस्थित जन समुदाय को संबोधित कर रहे थे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह दोनों पिता पुत्रों ने रानी दुर्गावती की परम्परा को कायम रखते हुए अंग्रेजों के खिलाफ कविता के माध्यम से आवाज उठाई। उन्होंने अंग्रेजों के सामने सीना ठोककर जंगल, जमीन और अपने राष्ट्र को बचाने के लिए गीतों की रचना की। अंग्रेज उनके विद्रोह को बर्दाश्त नहीं कर पाये और कायरता का परिचय देते हुए उन्हें तोप के मुंह पर खड़ा कर उड़ा दिया गया। अंग्रेजों ने दोनो पिता-पुत्रों को बंदी बनाकर बगैर कोई मुकदमा चलाये उन्हें तोप से उड़ाने का काम किया था। अंग्रेजों ने उनके सामने धर्म बदलने, अंग्रेजी सत्ता को स्वीकार करने और माफी मांगने की शर्त रखी और इसे मान लेने पर उनकी रिहाई के लिए तैयार थे। लेकिन दोनों पिता-पुत्रों ने अंग्रेजों के इस प्रस्ताव को बहादुरी के साथ ठुकरा दिया और कहा कि तोप से उड़ाने के बाद भी यदि वे बच गये तो फिर से अंग्रेजी सत्ता के खिलाफ गीत लिखेंगे और अपने राष्ट्र की रक्षा के लिए विद्रोह करेंगे।

राजा शंकर शाह एवं कुंवर रघुनाथ शाह के बलिदान दिवस पर दी श्रद्धांजली

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हर व्यक्ति के जीवन में जन्म और मृत्यु एक बार आती है, लेकिन देश की रक्षा के लिए बलिदान देने वाले शहीद हमेशा के लिए अमर हो जाते हैं। राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह ऐसे ही शहीद हैं जो हमेशा के लिए अमर हो गये हैं। उनका बलिदान हमें देश सेवा और देश की रक्षा करने की प्रेरणा देता है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गोंडवाना चौक पर अमर शहीद राजा शंकर शाह एवं कुंवर रघुनाथ शाह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजली दी। उन्होंने प्रतिमा के ऊपर अल्प समय में छत्र लगाये जाने के लिए नगर निगम की सराहना की। इस अवसर पर लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके, सांसद आशीष दुबे, श्रीमती सुमित्रा वाल्मिकी, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक अजय विश्नोई, अशोक रोहाणी, डॉ. अभिलाष पांडे, संतोष बरकड़े एवं नीरज सिंह, भाजपा के प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, भाजपा के नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर एवं जिला अध्यक्ष राजकुमार पटेल, नगर निगम के अध्यक्ष रिकुंज विज, पूर्व विधायक श्रीमती नंदिनी मरावी एवं किशोरीलाल भलावी सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

बलदेवबाग चौक पर बवाल

पूर्व महापौर और आरक्षक में भिड़ंत, दो घंटे तक जाम

समर्थकों का हंगामा, भाजपा नेताओं ने संभाला मोर्चा, कप्तान बोले दोनों पक्षों की शिकायत पर जांच जारी

हरिभूमि, जबलपुर।

लार्डगंज थाना अंतर्गत गुरुवार की रात बलदेवबाग चौक पर यातायात पुलिस की जांच के दौरान पूर्व महापौर प्रभात साहू और एक पुलिस आरक्षक के बीच कहासुनी इतनी बढ़ गई कि मामला सड़क पर धक्का-मुक्की और हाथापाई तक पहुंच गया। देखते ही देखते पूर्व महापौर के समर्थक वहां जुट गए और पुलिस कर्मियों पर मारपीट का आरोप लगाते हुए नारेबाजी करने लगे। मामला तूल पकड़ गया और करीब दो घंटे तक चौक पर जाम की स्थिति बनी रही।

भाई को रोकने से उपजा विवाद

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बलदेवबाग महिला मार्केट के सामने यातायात पुलिस चेकिंग कर रही थी। इस दौरान एक युवक की मोटर साइकिल को तेज आवाज वाले साइलेंसर के चलते रोका गया। उसने स्वयं को पूर्व महापौर का भाई बताया जिसके बाद पुलिस ने चेतावनी देकर छोड़ दिया।

कुछ देर बाद स्वयं प्रभात साहू बिना हेलमेट और मोबाइल पर बातचीत करते हुए मोपेड पर गुजरे। पुलिस कर्मियों ने उन्हें रोककर वाहन किनारे करने को कहा। साहू ने अपना परिचय दिया और आगे बढ़ने लगे। इसी दौरान एक आरक्षक ने उन्हें रोका, जिससे कहासुनी हुई और देखते-देखते दोनों के बीच झूमाझपटी हो गई।

सड़क पर हंगामा और नारेबाजी

पूर्व महापौर के समर्थक मौके पर पहुंचे और पुलिस कर्मियों से भिड़ गए। स्थिति इतनी बिगड़ी कि वहां हाथापाई तक हो गई। आरोप है कि धक्का-मुक्की में पूर्व महापौर ने पहले आरक्षक को धक्का-मुक्की कर दी जवाब में उसने भी धक्का-मुक्की कर दी। इस पर समर्थकों ने चौक पर धरना शुरू कर दिया और आरक्षक पर कार्रवाई की मांग करते हुए जोरदार नारेबाजी की। हंगामे की सूचना पर सांसद आशीष दुबे, विधायक अभिलाष पांडे सहित भाजपा के कई नेता वहां पहुंचे और पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए।

दो घंटे तक यातायात ठप

समर्थकों के धरने और नारेबाजी से बलदेवबाग चौक पर जाम की स्थिति बन गई। दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। तनाव बढ़ने पर कई थानों की पुलिस फोर्स, एएसपी, सीएसपी और डीएसपी मौके पर पहुंचे और हालात संभालने की कोशिश की।

इनका कहना है

स्थिति बिगड़ती देख पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय स्वयं मौके पर पहुंचे। उन्होंने जनप्रतिनिधियों और प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर शांत करने की कोशिश की। कप्तान ने स्पष्ट कहा दोनों पक्षों की शिकायत मिली है। निष्पक्ष जांच की जा रही है और जो भी निष्कर्ष सामने आएगा, उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

नेताओं से संपर्क लेकिन चुप्पी

इस मामले में भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर और पूर्व महापौर प्रभात साहू से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन दोनों ने फोन उठाना उचित नहीं समझा। वहीं समर्थकों का कहना है कि पुलिस ने साहू के साथ अभद्रता की है, जबकि पुलिसकर्मी खुद को पीड़ित बता रहे हैं।

मिशन कर्मयोगी पोर्टल पर विद्युत परिवार की नूतन शर्मा ने रचा इतिहास

मात्र तीन माह में पूरे किए 102 कोर्स

जबलपुर। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) की कार्यपालन अभियंता श्रीमती नूतन शर्मा ने केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत एक नया कीर्तिमान स्थापित कर प्रदेश और ऊर्जा विभाग को गौरवान्वित किया है। उन्होंने मात्र तीन माह की अवधि में पोर्टल पर उपलब्ध 102 प्रशिक्षण मॉड्यूल सफलतापूर्वक पूर्ण कर 282 कर्मा पॉइंट्स अर्जित किए हैं।विद्युत ट्रांसमिशन जैसे अत्यंत तकनीकी और व्यस्त क्षेत्र में कार्य करते हुए यह उपलब्धि हासिल करना एक प्रेरणास्पद मिसाल है। श्रीमती शर्मा का यह समर्पण न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि यह प्रदेश के ऊर्जा विभाग में कार्यरत सभी कर्मचारियों के लिए एक प्रेरणा स्त्रोत बन गया है।एम.पी. ट्रांसको के प्रबंध संचालक सुनील तिवारी द्वारा जब यह जानकारी मध्यप्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर को दी गई, तो उन्होंने श्रीमती नूतन शर्मा को हार्दिक बधाई देते हुए कहा, "नूतन शर्मा की मेहनत और लगन से पूरे प्रदेश के विद्युत परिवार को गौरव की अनुभूति हुई है। उनके प्रयास निश्चित ही अन्य कार्मिकों को प्रेरित करेंगे और संगठनात्मक प्रगति के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होंगे।"मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत एमपी ट्रांसको के कर्मचारियों में उत्साह लगातार बढ़ रहा है। कंपनी के 2788 कर्मचारियों में से 989 ने पोर्टल पर पंजीकरण कराया है, जिनमें से 825 कार्मिकों ने कम से कम एक प्रशिक्षण कोर्स सफलतापूर्वक पूर्ण किया है। अब तक कुल 3804 कोर्स के लिए पंजीयन हुआ है, जिनमें से 2101 सर्टिफिकेट जारी किए जा चुके हैं।

-अखंड ज्योति कलश स्थापना और विशेष पूजन से गूंजेगा शंकराचार्य मठ

शारदेय नवरात्रि पर बगलामुखी सिद्धपीठ में भक्तिभाव का अद्भुत संगम

हरिभूमि, जबलपुर।

शारदेय नवरात्रि के पावन पर्व पर बगलामुखी सिद्धपीठ शंकराचार्य मठ भक्तिभाव और आस्था का केंद्र बनेगा। 22 सितम्बर से 1 अक्टूबर 2025 तक चलने वाले इस धार्मिक उत्सव में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी विविध अनुष्ठानों का आयोजन किया जाएगा।

ब्रह्मचारी सुबुद्धानंद जी के सानिध्य और ब्रह्मचारी चैतन्यानंद जी महाराज के निर्देशन में भक्तों द्वारा अखंड ज्योति कलश स्थापना के साथ मां बगलामुखी का विशेष श्रृंगार, पूजन-अर्चन और हवन संपन्न होगा।

अखंड ज्योति से सजेगा मठ परिसर-

पूरे नौ दिनों तक बटुक ब्राह्मणों द्वारा अखंड ज्योति कलश का पूजन किया जाएगा। इस दौरान भक्तजन मां बगलामुखी के चरणों में दीप प्रज्वलित कर अखंड ज्योति जलाएंगे, जिससे वातावरण पावन आभा और दिव्य प्रकाश से आलोकित होगा।

माता बगलामुखी का विशेष श्रृंगार-

प्रतिदिन प्रातःकालीन बेला में ब्रह्मचारी चैतन्यानंद जी महाराज द्वारा माता बगलामुखी का विशेष श्रृंगार किया जाएगा। भक्तों को अलौकिक दर्शन और पूजन का लाभ प्राप्त होगा। साथ ही धार्मिक अनुष्ठानों के अंतर्गत हवन, भजन-कीर्तन और अर्चन से मठ का माहौल भक्तिमय रहेगा।

शक्ति संचय का पर्व-

ब्रह्मचारी चैतन्यानंद जी ने बताया कि चैत्र और शारदीय नवरात्रि को शक्ति संचय का पर्व माना गया है। जो श्रद्धालु इन दिनों मां की उपासना, कलश स्थापना, पूजन-अर्चन और भजन-कीर्तन करते हैं, उनके जीवन में मंगलकारी परिवर्तन आते हैं। माता बगलामुखी भक्तों पर कृपा कर उनके मनोरथ पूर्ण करती हैं और सभी संकटों का नाश करती हैं।

भक्तिमय वातावरण में डूबेंगे श्रद्धालु-

नवरात्रि के इन नौ दिनों में सिद्धपीठ का प्रत्येक कोना धार्मिक कार्यक्रमों से गूंजेगा। अखंड ज्योति की लौ और मंत्रोच्चार से वातावरण दिव्य और पावन बनेगा। मां बगलामुखी के जयकारों और श्रद्धा-भक्ति से सराबोर यह पर्व न केवल भक्तों के लिए आत्मिक शांति का माध्यम बनेगा बल्कि उन्हें शक्ति और विश्वास की ऊर्जा भी प्रदान करेगा।

इंडियन कॉफी हाऊस परिवार ने मंत्री राकेश सिंह को सम्मानित किया

जबलपुर। इंडियन कॉफ़ी हाउस, जेएनकेवीवी आधारताल, जबलपुर में 18 सितंबर को अपरान्ह 3 बजे डॉ. ओ.के. राजगोपालन (अध्यक्ष, इंडियन कॉफ़ी वर्कर्स को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, जबलपुर) द्वारा आयोजित अभिनंदन कार्यक्रम में मंत्री राकेश सिंह (लोक निर्माण विभाग मंत्री, मध्य प्रदेश सरकार) को संस्कारधानी जबलपुर के प्रति उनके अटूट विश्वास, समर्पण, प्रतिबद्धता, त्याग और असाधारण सेवा एवं जबलपुर को एक विकसित शहर बनाने में उनके अथक प्रयासों के लिए डॉ. ओ.के. राजगोपालन ने कॉफ़ी हाउस परिवार के सदस्यों के उपस्थिति में सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में अशोक रोहाणी विधायक, केंट जबलपुर, रत्नेश सोनकर, भाजपा अध्यक्ष, (जिला जबलपुर) एवं भाजपा महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष श्रीमती रूपा राव सहित अन्य शामिल थे। श्री राकेश सिंह ने कॉफ़ी हाउस परिवार की ओर से दिए गए अभिनंदन को स्वीकार करते हुए अपना आभार व्यक्त करते हुए अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्कारधानी जबलपुर में अधिक विकास लाने के लिए अत्यंत प्रयास किये जा रहे हैं। संस्कारधानी जबलपुर का नाम पूरे भारत में फैलाने, विस्तार करने के लिए पूरे प्रयत्न किया जा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने कॉफ़ी हाउस के अतिथि देवो भवा सिद्धांत की सहराना की एवं पूरे भारत वर्ष में सहकारिता के क्षेत्र में एक मार्गदर्शी संस्था बताया। श्री सिंह ने यह भी कहा कि वे जहां कहीं जाते है वहां कॉफ़ी हाउस मिलने पर जबलपुर की मिट्टी की मेहक और अपनापन महसूस होता है, जिसके लिए उन्होंने डॉ. ओ.के. राजगोपालन को हार्दिक बधाई दी। विधायक अशोक रोहाणी ने अपने भाषण में कॉफ़ी हाउस परिवार को विशेष रूप से डॉ. ओ.के. राजगोपालन को ऐसे एक अभिनंदन कार्यक्रम को आयोजित करने व श्री राकेश सिंह की प्रशंसा करने के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ दी।

आयुध निर्माणियों के सेवा निवृत्त लोगों को बेहतर उपचार का आश्वासन

जबलपुर। भारत सरकार, रक्षा मंत्रालय के आयुध निर्माणियों से सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों व कर्मचारियों को भविष्य में मिलने वाली मूलभूत, सुविधाएं जैसे पेंशन व बेहतर इलाज के लिए वरिष्ठ नागरिक परिषद के अध्यक्ष काजल विश्वास, सचिव दिव्यकान्त निगम, संगठन सचिव अनिल शुक्ला, कोषाध्यक्ष गुरमुख दास तलरेजा ने शहर के हैदराबाद की ब्रांच ओमेगा हॉस्पिटल के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर डॉ श्रवण एनुमुला से सौहार्दपूर्ण वार्ता की। इस दौरान प्रतिनिधियों ने इलाज के लिए भर्ती के दौरान अस्पताल की सर्विस के बारे में जानकारियां ली। डॉ श्रवण कुमार एनुमुला, चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर, एवं यूनिट मार्केटिंग हेड विवेक द्विवेदी, ने आश्वस्त किया कि सेवानिवृत्त वरिष्ठ नागरिकों को बेहतर सुविधाएं दी जाएगी।

संस्कारधानी को मिला वैश्विक गौरव, रोटरी इंटरनेशनल से दो अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार

जबलपुर।

नर्मदा तट पर बसे संस्कारों की नगरी जबलपुर ने एक बार फिर वैश्विक पटल पर अपनी पहचान को मजबूती से दर्ज कराया है। समाजसेवा की मिसाल बन चुके जबलपुर के दो व्यक्तित्वों को विश्व की अग्रणी संस्था रोटरी इंटरनेशनल द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत किया जा रहा है।

समरसता सेवा संगठन के अध्यक्ष संदीप जैन 'गुड्डा' को मानवता की सेवा में उत्कृष्टता के लिए चुना गया है, जबकि वरिष्ठ रोटेरियन अरुणकांत अग्रवाल को स्वयं से परे सेवा हेतु सम्मानित किया जाएगा। रोटरी के निवर्तमान डिस्ट्रिक्ट गवर्नर अखिल मिश्र ने बताया कि यह सम्मान संदीप जैन को विश्व के 220 देशों में फैले रोटरी

नेटवर्क में दिए जाने वाले कुल 166वें नॉन रोटेरियन पुरस्कार के रूप में मिलेगा। भारत, नेपाल और श्रीलंका के सम्मिलित क्षेत्र में यह अब तक का 28वां और रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3261 (पूर्वी मप्र, छत्तीसगढ़, आधा उड़ीसा) का पहला पुरस्कार है जो किसी नॉन रोटेरियन को प्राप्त हो रहा है। साथ

ही, रोटरी इंटरनेशनल द्वारा रोटेरियस को दिए जाने वाले सर्वोच्च सम्मान के लिए जबलपुर के ही अरुणकांत अग्रवाल को चुना गया है। वर्ष 2024-25 के लिए यह पुरस्कार विश्वभर में 118 रोटेरियंस को दिया गया है, जिसमें भारत, नेपाल और श्रीलंका क्षेत्र से 25 रोटेरियंस शामिल हैं।

पोषण माह में लगा व्यंजन मेला

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने बनाए मोटे अनाज से बने स्वादिष्ट देसी व्यंजन

जबलपुर। राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत महिला बाल विकास विभाग तहसील बरगी के तत्वाधान में बुधवार को आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने विभिन्न प्रकार के व्यंजन तैयार की और प्रदर्शनी लगाई। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने कुपोषण को दूर करने के लिए सही पोषण के महत्व को समझाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बरगी विधायक नीरज सिंह थे। इस मौके पर आंगनबाड़ी सुपर वाइजर सोनम सोनी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अंजू पटेल, रीना साहू ,सुनीता यादव समेत अन्य कार्यकर्ता व सहायिका शामिल रहीं।

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान का भव्य शुभारंभ

जबलपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस (17 सितम्बर) से गांधी जयंती (2 अक्टूबर) तक चलने वाले स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान का शुभारंभ जबलपुर में समारोह के साथ हुआ। कार्यक्रम का आयोजन सीजीएचएस जबलपुर के अपर निदेशक डॉ. ए. के. सुधांशु द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सांसद जयश्री बनर्जी उपस्थित रहीं, जिनका सम्मान माताजी कहकर किया गया। विशिष्ट अतिथि श्रीमती रूपा बनर्जी और श्रीमती मिताली बनर्जी ने माँ सरस्वती की पूजा कर दीप प्रज्वलित किया। इस अवसर पर विकलांग सेवा भारती की सचिव मिताली बनर्जी ने नारी शक्ति और आत्मविश्वास पर प्रकाश डाला। डॉ. ध्वनि मानवटकर, डॉ. प्रियंका, डॉ. शिज्जा, डॉ. ज्योति सिंह, डॉ. उदया मोल, डॉ. पंकज पाटिल, डॉ. अजय चौहान सहित अन्य चिकित्सकों और कर्मचारियों ने अतिथियों का अभिनंदन किया। वरिष्ठ नागरिक संगठन और पेंशनर एसोसिएशन के सुभाष चंद्रा, काजल विश्वास, अनिल शुक्ला, के बी एस चौहान, टी के घटक, अशोक नामदेव, पुष्पा दुबे, डी के सिंह, अजय राजपूत, मनोहर लाल राजपूत, जी पी विश्वकर्मा, एम एल पटेल सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

शहर की सुमिता मिश्रा बनीं बिहार चुनाव के लिए कांग्रेस की राष्ट्रीय पर्यवेक्षक

जबलपुर। बिहार के दो दौरे के बाद गत दिवस दिल्ली में अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के दफ्तर में अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष और कार्यसमिति मेम्बर अलका लंबा से अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवेक्षक और भागलपुर प्रभारी सुमिता मिश्रा और कान्हा मिश्रा ने मुलाकात कर चुनाव के वर्तमान हालात की रिपोर्ट प्रस्तुत की। विदित हो कि शहर की महिला नेत्री श्रीमति सुमिता मिश्रा को कांग्रेस ने बिहार चुनावों के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किया है।

शासकीय महाविद्यालय में सेवा पखवाड़ा अभियान का शुभारंभ

मझौली। मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय मझौली, जिला जबलपुर में सेवा पखवाड़ा अभियान का शुभारंभ 17 सितंबर को किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं एवं प्राध्यापकगण की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम की शुरुआत स्वच्छता शपथ के साथ हुई, जिसमें सभी उपस्थितजन ने स्वच्छ भारत के निर्माण हेतु अपने कर्तव्यों के निर्वहन का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रभारी प्राचार्य डॉ. भजनलाल प्रधान ने स्वच्छता ही सेवा है के विचारों के साथ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को स्मरण करते हुए स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना (**NSS**) के प्रभारी डॉ. आमोद कस्तवार द्वारा किया गया। उन्होंने छात्रों को सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी और उन्हें उत्साहपूर्वक सहभागिता हेतु प्रेरित किया। सेवा पखवाड़ा अभियान 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक चलेगा।

शांति और सौहार्द पूर्ण वातावरण में मनायें नवरात्र महापर्व : एसडीएम अहके

सिहोरा थाने में शांति समिति की बैठक आयोजित

सिहोरा। दस दिवसीय शारदेय नवरात्र महापर्व आप सभी लोग शांति और सौहार्द पूर्ण वातावरण में मिलजुलकर मनायें उक्ताशय के उदगार अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पुष्पेन्द्र अहके ने पुलिस थाने में गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में आयोजित शांति समिति की बैठक में व्यक्त किए। बैठक में उपस्थित पूर्व विधायक दिलीप दुबे, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस आदित्य सिंघारिया, सीएमओ शैलेन्द्र कुमार ओझा,थाना प्रभारी विपिन सिंह,सिविल अस्पताल प्रभारी डॉ सुनील लटियार,मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी से राकेश पांडे सहित अनेक अधिकारी मुख्य रुप से उपस्थित थे। बैठक में नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र की अनेक समितियों ने जहां अपनी समस्याएं सभी अधिकारियों के सामने रखी वहीं दुर्गा समिति पंडाल,मंदिरों, देवी मठों के आस पास साफ सफाई, चल समारोह मार्ग सहित अन्य स्थानों पर झूल रही विद्युत लाइने सही करने, टीसी कनेक्शन, पेयजल आपूर्ति,चल समारोह मार्ग के गड्ढे भरने एंव विसर्जन स्थल पर व्यवस्थाएं सुधारने, नर्मदा जल के लिए खोदी गई सड़क सही करने सहित अनेक मुद्दे छाए रहे। आईपीएस आदित्य सिंघारिया ने कहा हर प्रतिमा में दो चार वालेंटियर रखें और उनके नाम मोबाइल नम्बर थाने में दें, पंडाल के आस पास या अंदर जुआ फड लगाने पर कार्यवाही होगी, समिति सदस्य शराब का सेवन न करें, सभी दुर्गा समितियों का ग्रुप बनेगा जो पुलिस से जुड़ा रहेगा, ऐसे नारे या गाने न लगायें जिससे अशांति भंग हो, किसी भी दुर्गा समिति में विवाद की स्थिति न बने, रात्रि 11 बजे के बाद डीजे न बजायें, त्यौहार आपका है इसलिए अपने विवेक से दुर्गा पंडाल ऐसे जगह बनायें जिससे लोगों को निकलने में परेशानी न हो। सभी लोग प्रशासन और पुलिस का सहयोग करें तथा किसी भी अप्रिय घटना की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

DATE OF BIRTH CORRECTION NOTICE

I, Dinesh Khatri, S/o Jai Kishan Khatri resident of H. No 74, Opp Stemfield School, Vasundhara Colony, Baldeobagh, Jabalpur, do hereby declare that my date of birth has been incorrectly recorded as 05.01.1997 in my *10th Class Marksheet of ICSC Examination. The correct date of birth is 05.01.1998.This correction is being made to rectify the clerical error.A notarized affidavit has been submitted to this effect.

आम सूचना

मै राजेश कुमार छपेल पिता स्व. सोनी लाल छपेल उम्र 57 वर्ष, निवासी- 1221, मंगल पराग मैदान के पास, कछियाना, द्वारका नगर वार्ड, जबलपुर, आज दिनांक को यह घोषणा करता हूं एवं सर्वसाधारण को सूचित करता हूं कि, मेरा पुत्र निर्मल छपेल एवं मेरी पुत्रवधु काजल छपेल मेरे कहे अनुसार नही चल रहे है, इसलिये मै उन्हे अपनी संपूर्ण चल-अचल संपति से बेदखल कर रहा हू, आज से लेकर भविष्य मेरी किसी भी चल-अचल संपति पर मेरे पुत्र निर्मल छपेल एवं पुत्रवधु काजल छपेल का कोई भी हक-हिस्सा नही रहेगा एवं मेरे तथा मेरे परिवार का आज दिनांक से मेरे पुत्र एवं पुत्रवधु से किसी भी प्रकार का लेनदेन या रिश्ता नही है और न ही मुझे मेरे पुत्र एवं पुत्रवधु से कोई सरोकार है, आज से लेकर भविष्य में मेरे पुत्र एवं पुत्रवधु द्वारा किया जाने वाला कोई भी हक या दावा शून्य माना जावें ।
जबलपुर
दिनांक 18/09/ 2025
भवदीय
रोहित जोशी (अधिवक्ता)
मो.नं.- 7723999554
बैठक - हॉल नं. -एस1, न्यू बिल्डिंग, जिला अधिवक्ता संघ, जिला उच्च न्यायालय जबलपुर (म.प्र.)

नाम सुधार सूचना

मैं तृप्ति वैद्य पति श्री निकष वैद्य, आयु 46 वर्ष, निवासी मकान नं. 25/1, वीर सावरकर वार्ड, संजीवनी नगर गढ़ा जबलपुर म.प्र. 482003 (आधार नंबर 8699544384836) शपथ पूर्वक निम्नलिखित कथन करती हूँ कि मैं मकान नं. 25/1, वीर सावरकर वार्ड, संजीवनी नगर गढ़ा जबलपुर म.प्र. 482003 की स्थायी निवासी हूँ , मेरा नाम अंग्रेजी में TRIPTI VAIDYA छपा है जिसके स्थान पर TRAPTI VAIDYA छापने की कृपा करें, जहाँ-जहाँ मेरा नाम TRIPTI VAIDYA दर्ज हो वहाँ-वहाँ TRAPTI VAIDYA दर्ज हो माना, समझा एवं दर्ज किया जावे।
गलत नाम
TRIPTI VAIDYA
सही नाम
TRAPTI VAIDYA

आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किल सलामुद्दीन पिता रियाजुद्दीन ने विक्रेता 1) श्री दिनेश कुलकर्णी, 2) श्री संजय कुलकर्णी 3) श्री राजेश कुलकर्णी 4) श्रीमति ज्योति पाठक, 5) श्री सरयु केवले, सभी के पिता स्व. श्री गजानन कुलकर्णी, से उनके मालिकना हक की संपत्ति मौजा गोहलपुर, तहसील व जिला जबलपुर स्थित भूमि प्लाट नं. 54 एवं 53 का भाग, खसरा नं. 250/7, जिसका विक्रय रकबा 640 वर्गफुट एवं खसरा नं. 250 / 9, वर्तमान खसरा नं. 250/9/3, का भाग विक्रय रकबा 640 वर्गफुट, वर्गफुट इस प्रकार दोनों खसरे से कुल विक्रय रकबा 1280 वर्गफुट भूमि व उस पर बना मकान जिसका निर्मित रकबा 756 वर्गफुट है का इस लेख के प्रकाशन के 7 दिन पश्चात विक्रय अनुबंध कर लिया जायेगा एवं शीघ्र ही उपरोक्त संपत्ति के विक्रय पत्र का पंजीकरण होना है, यदि किसी व्यक्ति, बैंक अथवा किसी वित्तीय संस्था को इस अनुबंध से किसी भी प्रकार की आपत्ति है तो वह प्रकाशन दिनांक से 7 दिनों के अंदर अपनी आपत्ति प्रमाणित दस्तावेजों के सहित हमारे कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत करें 7 दिनों के बाद दस्तावेजों का पंजीयन करा लिया जाएगा उसके बाद किसी प्रकार की आपत्ति मान्य नहीं की जाएगी ।
दिनांक- 19/09/2025
Advocate
Mohammad Shahrukh Khan
M.P. High Court, Jabalpur
Mob- 9752229643
Office / Residence : Ishaque market, Raddi Chowki, Shaheed Abdul Hameed Chowk, Gohalpur, JABALPUR.

श्री खेमचंद पासी- गली नं. 21 सदर पासी मोहल्ला निवासी श्री खेमचंद पासी (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री किशन लाल नामदेव- दीनदयाल चौक के पास स्थित साईं कॉलोनी निवासी श्री किशन लाल नामदेव (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल मोक्षधाम में किया गया।

श्री महेंद्र पटेल- दक्षिण मिलौनीगंज निवासी श्री महेंद्र पटेल (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सतीश कुमार अग्रहरि- गोपाल विहार गोपालबाग निवासी श्री सतीश कुमार अग्रहरि (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती उषा भसीन- बादशाह हलवाई मंदिर मोड़ के पास गौरीघाट रोड निवासी श्री गुलचरण लाल भसीन की धर्मपत्नी श्रीमती उषा भसीन (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती मीरा- हनुमानताल निवासी श्री पूरन लाल की धर्मपत्नी श्रीमती मीरा (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती रामकुमारी देवी- रांझी मानेगांव निवासी श्री चंद्रमा सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती रामकुमारी देवी (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

कु. मुस्कान रैकवार- पुरानी बस्ती आईटीआई माढ़ोताल निवासी श्री राकेश रैकवार की पुत्री कु. मुस्कान रैकवार (15) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल मोक्षधाम में किया गया।

श्री परषोत्तम वर्मा- द्वारका नगर चुंगी चौकी रोड लालमाटी निवासी श्री परषोत्तम वर्मा (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

आसमा चौधरी- वल्दी कोरी की दफाई आचार्य विनोबा भावे वार्ड निवासी श्री अनिल चौधरी की अल्पायु पुत्री आसमा का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री भगवान दीन कोल- अंचल नगर छुई खदान श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड निवासी श्री भगवान दीन कोल का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती छोटी बाई- मड़ई व्हीकल निवासी श्री सुख लाल की धर्मपत्नी श्रीमती छोटी बाई (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री भोलाराम प्यासी- नरसिंह नगर दमोह निवासी श्री भोलाराम प्यासी (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती वीणा पंत- आश्रय परिसर यादव कॉलोनी निवासी श्री कृपाल दत्त पंत की धर्मपत्नी श्रीमती वीणा पंत (89) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

हरिभूमि
निजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अन्य साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
फिक्स साइज:- से.मी. ब्लैक&व्हाइट 300/-
फिक्स साइज:- से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303308294, 9407362160

विद्यासागर गौशाला में पौधारोपण

सिहोरा। गत दिवस समाजसेवी अरुण जैन ने विद्यासागर गौशाला परिसर गोसलपुर में अनेक लोगों के साथ पौधारोपण किया तथा सिविल अस्पताल सिहोरा में मरीजों को फल वितरण किया। इस अवसर पर राकेश जैन, अनिल जैन, दिलीप जैन, दीपक दत्त दुबे, अरविंद यादव, रमेश परवानी, मंडल अध्यक्ष सतीश पटेल, विधानसभा प्रभारी अनुपम सराफ, महामंत्री राजेश दाहिया, शिशिर पांडे, अभिषेक गुप्ता, मगन सोनी, विनय जैन, अधिवक्ता रमेश पटेल, अमित जैन, आजाद जैन, सुनील जैन, अंकुर जैन, बिहारी लाल रजक सहित गौशाला के कर्मवीर कार्यकर्ता उपस्थित थे।

ॐ शांति **शोक संदेश** ॐ शांति

अत्यंत दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि मेरे पूज्यनीय पिता जी श्री टन्दू लाल बर्मन का स्वर्गवास दिनांक - 13 सितम्बर 2025, शनिवार को हो गया है। जिनकी आत्मा की शांति हेतु -
गंगाजली पूजन एवं तेरहवीं
दिनांक- 20 सितम्बर 2025, दिन शनिवार
को रखा गया है।
कृपया पधारकर ब्रम्हलीन आत्मा को शांति प्रदान करें ।
कार्यस्थल- वार्ड नं. 6, बर्मन मुहल्ला, बरेला मो. 9752756518
शोकाकुल परिवार
गुड्डा, पवन (पत्रकार), पंजू , कृष्णा विनोद बर्मन चेनू, राकेश

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, देवी अहिल्या बाई की परंपरा और विरासत को आगे बढ़ाएगा धार का पीएम मित्र पार्क

पीएम ने की मप्र सरकार की प्रगतिशीलता, अवसर का भरपूर लाभ उठाने की उदात्त मंशा की सराहना

मध्यप्रदेश लिख रहा विकास की नई इबारत, धार का पीएम मित्र पार्क अन्य राज्यों के लिए बनेगा नजीर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि विकसित भारत सिर्फ हमारा संकल्प नहीं है, बल्कि यह भारत के सुनहरे भविष्य के निर्माण का यज्ञ है। यह यज्ञ तभी पूर्ण होगा, जब इसमें सबकी आहुति और सबका योगदान शामिल होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि सबके साथ से हम सबके विकास के लिए संकल्पित हैं। पिछले 11 वर्ष जनकल्याण को समर्पित रहे। गरीब के चेहरे पर मुस्कान लाना ही मेरी इष्ट-पूजा और मेरा प्रण है।

पिछले 11 साल में देश के 25 करोड़ लोग गरीबी के जीवन से बाहर आए हैं, जिससे पूरे समाज को एक नया आत्मविश्वास मिला है, यही हमारा ईनाम भी है। प्रधानमंत्री मोदी बुधवार को पीएम मित्र पार्क का शुभारंभ करने धार जिले के बगरोदा के पास भैंसोला गांव पहुंचे थे। उन्होंने मप्र सरकार की प्रगतिशीलता और अवसर का भरपूर लाभ उठाने की उदात्त मंशा की सराहना करते हुए कहा कि धार का यह पीएम मित्र पार्क आने वाले समय में दूसरे राज्यों के लिए एक नजीर बनेगा। इस मौके पर कई योजनाओं का शुभारंभ भी किया। उन्होंने कहा कि मैन्युफैक्चरिंग और लॉजिस्टिक आसान होगी। इससे हमारे प्रोडक्ट सस्ते बनेंगे। किसानों और कारीगरों को अधिक लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री ने पीएम मित्र पार्क के लिए प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं।

पिछले 11 साल में 25 करोड़ लोग आए गरीबी से बाहर

पीएम विश्वकर्मा योजना का लाभ देश के 30 करोड़ लोगों को

प्रधानमंत्री मोदी ने विभिन्न केन्द्रीय योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि पीएम विश्वकर्मा योजना का लाभ देश के 30 करोड़ से अधिक भाई-बहनों को मिल चुका है। हमने छोटे कामगारों के हुनर को आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि जो विकास में पिछड़ा है, उन्हें मुख्य धारा में लाना ही हमारी प्राथमिकता है। धार स्व. कुशाभाऊ ठाकरे की जन्म स्थली भी है। 'राष्ट्र प्रथम' की भावना को हमें जीवन में उतारना है। देशवासियों से प्रार्थना है कि जो भी खरीदें, वो स्वदेशी ही होना चाहिए। जो भी खरीदें, उसमें हिन्दुस्तान की मिट्टी की महक और देशवासी की ही मेहनत होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाना है। विकसित भारत का रास्ता आत्मनिर्भर भारत से होकर जाता है। इसलिए विकसित भारत के निर्माण में देश के व्यापारी भी हमारे साथ आएं।

नया भारत किसी की परमाणु धमकी से डरने वाला नहीं: पीएम मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जिन्होंने मां-बहनों का सिंदूर उजाड़ा था, उन्हें ध्वस्त कर दिया गया है। नया भारत किसी की परमाणु धमकी से डरने वाला नहीं है। यह नया भारत है, जो दुश्मनों को घर में घुसकर मारता है।

हमारी नारी शक्ति राष्ट्र की प्रगति का मुख्य आधार

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारी नारी शक्ति राष्ट्र की प्रगति का मुख्य आधार है। घर में मां ठीक रहे, तो पूरा घर ठीक रहता है। मां बीमार हो जाए, तो पूरे परिवार की व्यवस्थाएं चरमरा जाती हैं। इसीलिए 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' अभियान माताओं बहनों के उज्ज्वल भविष्य को समर्पित है। हमारी कोशिश है कि एक भी महिला गंभीर बीमारी का शिकार न हो। कई बीमारियों की जांच नहीं होने पर जान का खतरा हो जाता है। इन्हें शुरुआती दौर में पहचानना जरूरी है। इस अभियान में स्वास्थ्य शिविर लगाकर बीपी, शुगर, कैंसर जैसी बीमारियों की जांच की जाएगी। माताओं-बहनों ने मुझे बहुत कुछ दिया है, मुझ पर अपना आशीर्वाद बनाए रखें।

पीएम मित्र पार्क के मॉडल और स्वास्थ्य शिविर का अवलोकन

प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यक्रम स्थल पर प्रदर्शित धार के पीएम मित्र पार्क का मॉडल देखा और उसकी खूबियों को जाना। साथ ही स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार एवं पोषण अभियान अंतर्गत आयोजित स्वास्थ्य शिविर का अवलोकन भी किया। प्रधानमंत्री ने शिविर में मौजूद चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों से चर्चा कर उपचार संबंधी जानकारी ली। प्रधानमंत्री को राज्यपाल पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. यादव, केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने स्वागत कर स्मृति-चिन्ह भेंट किए। प्रधानमंत्री को जनजातीय परम्परानुसार तीर-कमान भेंट किया और पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. यादव सुसज्जित वाहन से सभा-स्थल पहुंचे और उपस्थित अपार जन-समूह का अभिवादन किया।

जनजातीय अंचल में प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिन मनाना मप्र का सौभाग्य: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि मोदी अपना जन्मदिवस मप्र के जनजातीय अंचल में मना रहे हैं, और कई सौगातें लेकर आए हैं। दुनिया के सबसे लोकप्रिय नायक मोदी ने गरीब अंचल के लिए समय निकाला, यह उनके प्रेम की अभिव्यक्ति है। राजा भोज के संस्कारों से समृद्ध ऐतिहासिक नगरी धार प्रधानमंत्री मोदी के आगमन से हर्षित हो उठी है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों की ओर से प्रधानमंत्री मोदी को उनके जन्मदिवस की कोटि-कोटि शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि इस मंगल अवसर पर मोदी के सानिध्य से मप्र धन्य हुआ है। मोदी दीर्घायु हों, निरोग रहें, उनका यश और कीर्ति बढ़ती रहे, यही कामना है।

बिना किसी संकोच के स्वास्थ्य शिविरों में जांच जरूर कराएं, दवाइयां भी मुफ्त मिलेंगी

प्रधानमंत्री मोदी ने माताओं-बहनों से अपील करते हुए कहा कि वे बिना किसी संकोच के इन स्वास्थ्य शिविरों में जांच जरूर कराएं। इन सभी शिविरों में महंगी से महंगी जांच मुफ्त होगी और दवाइयां भी मुफ्त मिलेंगी। उन्होंने कहा कि नारियों के उत्तम स्वास्थ्य के लिए सरकार के खजाने में कोई कमी नहीं है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में तेज गति से आगे बढ़ रहा है भारत: डॉ. यादव

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर सेवा पखवाड़े के तहत बुधवार को इंदौर-भोपाल में कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने इंदौर के एमवाय अस्पताल में स्वच्छता अभियान, खजराना गणेश मंदिर के दर्शन कर परिसर में आयोजित रक्तदान शिविर एवं मोदी के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी का उदघाटन करने के साथ भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रधानमंत्री के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में कहा कि दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर मैं भगवान महाकाल से प्रार्थना करते हुए उनकी दीर्घायु की कामना करता हूं।

जन्मदिन मनाने के तरीका प्रधानमंत्री से सीखा जा सकता है। न केक न मोमबत्ती, उन्होंने अपने जन्मदिन पर देश की आधी आबादी यानी हमारी माता-बहनों के स्वास्थ्य की चिंता करते हुए एक अभियान की शुरुआत की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेज गति से आगे बढ़ रहा है। यह भारत के बढ़ते प्रभाव का ही परिणाम है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी हमारे प्रधानमंत्री को जन्मदिन की बधाई दे रहे हैं।

भैंसोला में पीएम मित्र पार्क के भूमिपूजन ने सोने में सुहागे का काम किया है। एक समय था जब उज्जैन, इंदौर, ग्वालियर में अनेक कॉटन मिलें थीं। इस पार्क के तैयार हो जाने पर हमारी कॉटन इंडस्ट्री की धाक फिर जम जाएगी।

रक्तदान शिविर एवं पीएम मोदी के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी का शुभारंभ

मुख्यमंत्री, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश प्रभारी एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हुए शामिल

प्रधानमंत्री के जीवन को प्रदर्शनी के जरिए लोगों तक पहुंचा रहे: भाजपा प्रदेशाध्यक्ष खंडेलवाल

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर पूरे प्रदेश में सेवा पखवाड़ा शुरू हो चुका है। प्रदेशभर में स्वास्थ्य शिविर, रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, प्रदर्शनी के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन परिचय सहित विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से सेवा कार्य किया गया। उन्होंने कहा कि हमें संकल्प लेना है कि हम अपनी हर खरीदारी में स्वदेशी उत्पाद को प्राथमिकता देंगे। यह न केवल हमारे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा, बल्कि देश के करोड़ों कारीगरों, मजदूरों और किसानों के जीवन में खुशहाली भी लाएगा।

किसानों को रोजगार मिलेगा और फसलों को उचित दाम मिलेगा: डॉ. मोहन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भाजपा प्रदेश कार्यालय भोपाल में कहा कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में कपास उद्योग को मध्यप्रदेश में पूरी तरह से समाप्त क दिया था। कांग्रेस राज में कपास का रकबा बहुत घट गया था। प्रधानमंत्री ने कपास उद्योग को संजीवनी देने का कार्य किया है। पीएम मित्र पार्क से धार सहित मालवा-निमाड़ के करीब छह लाख किसानों को फायदा होगा। किसानों को पीएम मित्र पार्क में रोजगार भी मिलेगा और कपास के साथ अन्य फसलों का उचित दाम भी मिलेगा।

कार्यक्रम में यह रहे उपस्थित

भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रदेश शासन के मंत्री विश्वास सारंग, पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक शर्मा, पार्टी के प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी, विधायक रामेश्वर शर्मा, प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ. राघवेन्द्र शर्मा, महापौर मालती राय, जिला अध्यक्ष रविन्द्र यति सहित पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इंदौर के खजराना गणेश मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश शासन के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी सहित पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पीएम मित्र पार्क मालवा निमाड़ की दिशा और दशा बदलेगा : डॉ. सिंह

भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने जन्मदिन पर धार जिले के भैंसोला में जिस पीएम मित्र पार्क की आधारशिला रखकर मध्यप्रदेश को सौगात दी है, वह आने वाले दिनों में मध्यप्रदेश के मालवा और निमाड़ क्षेत्र की दशा और दिशा बदलने में महती भूमिका निभाएगा। पीएम मित्र पार्क से आदिवासियों को रोजगार के साथ कपास किसानों को फायदा होगा, साथ ही स्थानीय लोगों को रोजगार मिलने के साथ क्षेत्र में खुशहाली आएगी। प्रधानमंत्री ने गरीब कल्याण के लिए अपना सारा जीवन लगा दिया है। प्रधानमंत्री जनता को जनार्दन मानते हैं।

सीएम ने स्वच्छता के लिए श्रमदान कर 'स्वच्छोत्सव' का किया शुभारंभ

- ई-वेस्ट कलेक्शन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना
- प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन को प्रदेश में 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के रूप में मनाया जा रहा

विशेष प्रतिनिधि. भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को इंदौर के एमवाय हॉस्पिटल परिसर में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ स्वच्छता के लिए श्रमदान किया। उन्होंने इस दौरान नगर निगम इंदौर के ई-वेस्ट कलेक्शन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन को प्रदेश में 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के रूप में मनाया जा रहा है। अस्पताल प्रबंधन और जिला प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिए कि हॉस्पिटल के अंदर और बाहर की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने कहा कि एमवाय अस्पताल में विकास कार्यों के लिए प्रदेश सरकार हर तरह की मदद देगी। डॉ. यादव ने उपस्थिति नागरिकों को स्वच्छता की शपथ दिलाई और स्वच्छता के प्रति सजग रहकर सप्ताह में 2 घंटे और वर्ष में 100 घंटे स्वच्छता के लिए श्रमदान करने की सभी से अपील की। उन्होंने 'स्वच्छता ही सेवा अभियान' के लांचिंग लोगो का विमोचन भी किया।

ई-वेस्ट सबसे गंभीर प्रदूषण कारक अपशिष्ट

इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि ई-वेस्ट आज के समय में सबसे गंभीर प्रदूषण कारक अपशिष्ट है, जिसका निपटान यदि वैज्ञानिक पद्धति से न किया जाए, तो यह पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है। नगर निगम इन्दौर द्वारा शहर को स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त बनाए रखने के उद्देश्य से 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक 'स्वच्छता ही सेवा अभियान' के तहत ई-वेस्ट संग्रहण अभियान प्रारंभ किया गया है। इस विशेष अभियान के प्रथम चरण में निगम मुख्यालय, नेहरु पार्क स्थित इंदौर स्मार्ट सिटी ऑफिस में ई-वेस्ट ड्रॉप बॉक्स स्थापित किए गए हैं। इन ड्रॉप बॉक्स में निगम के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी घर अथवा कार्यालय से निकलने वाले अनुपयोगी एवं खराब इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जमा करेंगे।

प्रेम-प्रसंग में डेम में कूदा प्रेमी जोड़ा

5 घंटे चला रेस्क्यू ऑपरेशन

नदी में कूद पड़े पुलिस कर्मी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। प्रेम-प्रसंग के चलते युवक-युवती ने राताखार एनीकट डैम से छलांग लगा दी। हादसे में युवक तो टापू में फंसकर बच गया, लेकिन युवती का अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है।

घटना का लाइव वीडियो भी सामने आया है, जिसमें पुलिसकर्मी जान जोखिम में डालकर युवक को बचाने की कोशिश करते दिख रहे हैं। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार, घटना राताखार एनीकट डैम में 25 फीट ऊंचाई से युवक-युवती ने छलांग लगाई। इस दौरान युवक टापू में फंस गया, जबकि युवती पानी के तेज बहाव में लापता हो गई। युवक की बाइक डैम के ऊपर खड़ी मिली। मछुआरों ने युवक को टापू में फंसा देखा तो तुरंत पुलिस और 112 को सूचना दी। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस और 112 की टीम मौके पर पहुंची। कोतवाली में पदस्थ चंद्रकांत गुप्ता और दो अन्य पुलिसकर्मी युवक को बचाने नदी में कूद पड़े। इस दौरान चंद्रकांत गुप्ता खुद तेज बहाव में फंसकर बाल-बाल बचे। एक अन्य पुलिसकर्मी ने ट्यूब फेंककर उनकी जान बचाई। हालात बिगड़ते देख नगर सेना की रेस्क्यू टीम और डीडीआरएफ की टीम मौके पर बुलाई गई। करीब 5 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद टीम ने टापू में फंसे युवक को सुरक्षित बाहर निकाला।

कांकेर के ग्रामीण इलाकों में पुलिस ने एक अनूठी पहल की

आज तक माओवादी लगाते थे, अब पुलिस ने लगाए पोस्टर, माओवादियों के खिलाफ लोगों से मांगी मदद

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

कांकेर जिले में पुलिस ने अंदरूनी गांवों में वांछित माओवादियों के बैनर लगाकर उन पर इनाम घोषित किया है। पुलिस ने बुधवार को परलकोट क्षेत्र के अंदरूनी और माओवादी प्रभावित इलाकों में एक अनोखी पहल शुरू की। पुलिस ने यहां के गांवों और जंगलों में वांछित माओवादियों के पोस्टर और बैनर लगाए हैं, ताकि स्थानीय लोगों की मदद से इन माओवादियों को पकड़ा जा सके। इस कदम को माओवाद के खिलाफ लड़ाई में एक नया मोड़ माना जा रहा है। इन पोस्टरों में वांछित माओवादियों की तस्वीरें, उनके नाम और उन पर घोषित इनाम की जानकारी दी गई है।

साथ ही, पुलिस ने लोगों से अपील की है कि अगर उन्हें इन माओवादियों के बारे में कोई भी जानकारी मिले, तो वे तुरंत पुलिस को सूचित करें। जानकारी देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी। अक्सर, स्थानीय लोग माओवादियों के बारे में बहुत कुछ जानते हैं, लेकिन डर की वजह से वे पुलिस को नहीं बताते। इन पोस्टरों से न केवल उन्हें जानकारी मिलेगी, बल्कि उन्हें यह भी एहसास होगा कि उनकी मदद से इन अपराधियों को पकड़ा जा सकता है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य माओवादियों को उनके अपने गढ़ में ही कमजोर करना है। जब स्थानीय आबादी उनके खिलाफ हो जाएगी और उनके बारे में जानकारी देना शुरू कर देगी, तो उनके लिए छिपना और अपनी गतिविधियों को अंजाम देना मुश्किल हो जाएगा।

पुलिस को सफलता की उम्मीद

यह पहला मौका नहीं है जब पुलिस ने इस तरह की रणनीति अपनाई है, लेकिन इस बार इसे और बड़े पैमाने पर और व्यवस्थित तरीके से लागू किया गया है। पुलिस को उम्मीद है कि इस पहल से उन्हें वांछित माओवादियों को पकड़ने में बड़ी सफलता मिलेगी और क्षेत्र में शांति बहाल करने में मदद मिलेगी। यह देखना बाकी है कि यह पहल कितनी प्रभावी साबित होती है, लेकिन यह साफ है कि पुलिस माओवाद के खिलाफ लड़ाई में नए और रचनात्मक तरीके अपना रही है।

पोस्टर में पांच लाख के इनामी माओवादियों के नाम

पुलिस द्वारा एक बैनर में माओवादी बसंती आंचल, पुष्पा हेमला, रामा कुंजाम, श्रवण मरकर, विश्वनाथ, रामको मंडावी, रानी उर्फ उमा, जानकी सोरी पर पांच-पांच लाख रुपए और मनीषा कोर्राम, जमली मंडावी, कुमारी मंगली, कमला पद्दा दर्रो पर एक-एक लाख का इनाम घोषित है। इसके अलावा, अन्य स्थानों पर अलग-अलग माओवादियों के नाम और इनाम का भी उल्लेख किया गया है।

स्पेशलः बैटमैन-डे, 20 सितंबर

बच्चो, तुमने बैटमैन की कॉमिक्स पढ़ी होंगी या फिर उसकी फिल्में जरूर देखी होंगी। तुममें से कई बच्चों का तो फेवरेट कॉमिक सुपर हीरो बैटमैन होगा। दुनिया के सबसे फेमस फिक्शनल कैरेक्टर्स में से एक बैटमैन से जुड़ी कुछ अमेंजिंग और इंटरेस्टिंग बातें यहां बता रहे हैं।

इंटेलिजेंट-टेक्नोस्मार्ट वॉरियर कॉमिक सुपर हीरो बैटमैन

फिक्शनल कैरेक्टर
शिखर चंद जैन

बच्चो, तुम बैटमैन के कॉमिक्स खूब चाव से पढ़ते होगे। टीवी पर उसके कार्टून फिल्म्स या बैटमैन सीरीज की मूवीज भी देखी होंगी। तुम्हें पता है, इस सुपरहीरो कार्टून कैरेक्टर बैटमैन को याद करने के लिए एक खास दिन निश्चित किया गया है? हर साल सितंबर महीने के तीसरे शनिवार को बैटमैन-डे मनाया जाता है। इस बार बैटमैन-डे कल यानी 20 सितंबर को मनाया जाएगा। इस मौके पर जानो, बैटमैन से जुड़ी कुछ अमेजिंग-इंटरेस्टिंग बातें।

साहसी-चतुर और टेक्नो एक्सपर्टः जहां अधिकतर कॉमिक सुपरहीरोज अपनी आलौकिक शक्तियों यानी सुपर नेचुरल पॉवर्स के लिए जाने जाते हैं। अपनी इन्हीं शक्तियों के दम पर वे विलेन पर जीत हासिल करते हैं। वहीं बैटमैन के पास कोई सुपर नेचुरल पॉवर नहीं है। उसका साहस, स्ट्रेटजी बनाने की स्किल, हार्ड ट्रेनिंग, बुद्धिमत्ता और टेक्नोलॉजी यूज करने की काबिलियत उसे उसके लक्ष्य तक पहुंचाती हैं और जीत दिलाती है। वह 127 मार्शल आर्ट फॉर्म्स में एक्सपर्ट है।

86 साल पुराना कैरेक्टरः बैटमैन को पहली बार अब से 86 साल पहले मई 1939 में डिटेक्टिव कॉमिक्स के 27वें अंक में पेश किया गया था। इसमें बैटमैन की इमेज क्रिएट की थी आर्टिस्ट बॉब केन ने और इसके लेखक थे, बिल फिंगर।

छा गया हर ओरः शुरुआती दिनों में तो बैटमैन को स्टोरी कॉमिक्स कैरेक्टर के रूप में पढ़ा जाता था। लेकिन कुछ ही समय में बैटमैन का कैरेक्टर इतना फेमस हुआ कि यह कॉमिक्स से आगे बढ़कर फिल्मों, टीवी शोज, वीडियो गेम्स और यहां तक कि कई सारे प्रोडक्ट्स के ब्रांड के रूप में भी दिखाई देने लगा।

बहुत अमीर है बैटमैनः बैटमैन का मूल नाम ब्रूस वेन है। सामान्य अवस्था में वह इसी रूप में रहता है। ब्रूस वेन को अकसर कॉमिक बुक के इतिहास में सबसे धनी पात्रों में से एक के रूप में चित्रित किया जाता है, जिसकी अनुमानित संपत्ति अरबों में है। ब्रूस वेन के इनकम का मुख्य सोर्स उसके परिवार की कंपनी वेन एंटरप्राइजेज है।

जानता है कई भाषाएंः बैटमैन कुल दस भाषाओं में बात कर सकता है। इनमें से सात भाषाएं वह धाराप्रवाह बोलता है। ये भाषाएं हैं- कैंटोनीज स्वाहिली, जापानी, स्पेनिश, फ्रेंच, अंग्रेजी, रूसी और इतालवी। साथ ही जर्मन और वियतनामी दो भाषाएं ठीक-ठाक और एक भाषा क्रिप्टोनियन अटक कर कामचलाऊ बोलता है।

बैटमैन की हेल्प करते हैं रॉबिंसः बैटमैन के कई सहायक पात्र भी हुए हैं, जिन्होंने रॉबिन की भूमिका निभाई है। जिनमें डिक ग्रेसन, जेसन टोड, टिम ड्रेक और डेमियन वेन शामिल हैं। हर रॉबिन की अपनी अनूठी कहानी है और विशेषताएं हैं।

सीक्रेट हेडक्वार्टर है बैटकेवः बैटमैन का गुप्त मुख्यालय यानी सीक्रेट हेडक्वार्टर बैटकेव है। यह कई तरह की सुविधाओं से युक्त है, जिसमें बैटकंप्यूटर और बैटमोबाइल जैसे कई सुपर पॉवरफुल चीजों का संग्रह शामिल है।

बैटमैन का शहर गोथम सिटीः उत्तरपूर्वी संयुक्त राज्य अमेरिका का एक काल्पनिक शहर है गोथम सिटी, जो डीसी कॉमिक्स द्वारा प्रकाशित अमेरिकी कॉमिक बुक्स में प्रदर्शित होने वाला प्रमुख शहर है। गोथम सिटी सुपरहीरो बैटमैन, उसके सहयोगियों और दुश्मनों के घर के रूप में जाना जाता है। गोथम को अकसर एक अंधकारमय और अपराध-ग्रस्त शहर के रूप में दर्शाया जाता है। यहां अपराध और भ्रष्टाचार होते रहते हैं।

बैट-सिग्नल से बुलाते हैं बैटमैन कोः बैट-सिग्नल को पहली बार 1940 के दशक में गोथम सिटी पुलिस द्वारा बैटमैन को बुलाने के एक तरीके के रूप में पेश किया गया था। यह गोथम के नागरिकों के लिए आशा का प्रतीक है। जब भी बैटमैन को बुलाना होता है, बैट सिग्नल भेजा जाता है। *

बैटमैन से जुड़ी कुछ और रोचक बातें

- बैटमैन के एक चाचा हैं, जिनका नाम फिलिप है।
- उसकी मां का नाम मार्था वेन है। इसे केन के नाम जाना जाता है।
- बैटमैन ने एक निजी जासूस हार्वे हैरिस के मार्गदर्शन में जासूस बनना सीखा।
- बैटमैन ने टेड ग्रांट (वाइल्डकैट) से मुक्केबाजी सीखी।
- बैटमैन के सूट पर कई बार इंद्रधनुषी पैटर्न बना हुआ दिखाया जाता है।
- बैटमैन का पसंदीदा व्यंजन मुलिगाटावनी सूप है।
- बैटमैन का एक 'दत्तक पुत्र' है, जिसका नाम जारो है। जारो एक जार में स्टारो (विशाल मानसिक तारामछली) का एक टुकड़ा है।

विशेषः रेड पांडा-दिवस, 20 सितंबर

बेहद क्यूट-सा दिखने वाला रेड पांडा दुनिया में कुछ ही इलाकों में पाया जाता है। इसको बचाए रखने को लेकर जागरूकता फैलाने के लिए हर साल रेड पांडा दिवस मनाया जाता है। इस दिन के महत्व और इस जंतु की विशेषताओं के बारे में जानो।

ताकि बचा रहे प्यारा अनोखा रेड पांडा

अनोखा जंतु / के.पी. सिंह

बच्चो, रेड पांडा दुनिया के सबसे खूबसूरत जंतु प्रजातियों में से एक है। इसे लेसर पांडा, फायरफॉक्स जैसे नामों से भी जाना जाता है। वनों की अंधाधुंध कटाई, अवैध शिकार करने, इनके आवास के खात्मे और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों के चलते यह प्यारा-सा जंतु प्रजाति लुप्त होने के कगार पर पहुंच गया है। रेड पांडा की तेजी से कम होती संख्या को देखते हुए 'रेड पांडा नेटवर्क' संस्था द्वारा 18 सितंबर 2010 को पहली बार अंतरराष्ट्रीय रेड पांडा दिवस का आयोजन किया गया। तब से प्रत्येक वर्ष सितंबर माह के तीसरे शनिवार को अंतरराष्ट्रीय रेड पांडा दिवस मनाया जाता है।

क्यों मनाते हैं रेड पांडा दिवसः दुनिया भर के लोगों को रेड पांडा को बचाने का संदेश देने के लिए यह विशेष दिवस मनाया जाता है। रेड पांडा का दुनिया में अस्तित्व इसलिए जरूरी है, क्योंकि अपने पारिवारिक वर्ग में यह एकमात्र बची जीव प्रजाति है, जो जैव विविधता में इसकी अनोखी भूमिका और महत्व को दर्शाती है।

होते हैं कई आयोजनः रेड पांडा दिवस मनाने के लिए दुनियाभर के ऐसे चिड़ियाघरों में जहां रेड पांडा मौजूद हैं, विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस दिन रेड पांडा की देख-रेख करने वाले केयरटेकर, चिड़ियाघर घूमने आने वाले लोगों से इनके लुप्तप्राय होने के बारे में बताते हैं। लोगों को इनके महत्व को समझाते हैं कि किस तरह इनके बचाने से हमारी विविध पारिस्थितिकी तंत्र का बचाव संभव है। सोशल मीडिया में इस दिन कई तरह के अभियान चलाए जाते हैं, जैसे- हैश टैग सेव रेड पांडा, हैश टैग इंटरनेशनल रेड पांडा डे और हैश टैग आईआरपीडी आदि। पर्यावरण-जैव विविधता संरक्षण से जुड़े लोगों और संगठनों द्वारा आम लोगों को धरती पर रेड पांडा के अस्तित्व को बनाए रखने में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इस मासूम जंतु प्रजाति को कैसे अवैध शिकार और व्यापार से बचाया जाए, इस बारे में भी विचार किया जाता है।

कहां पाया जाता है रेड पांडाः रेड पांडा मुख्य रूप से पूर्वी हिमालय के ऊंचे-घने बांस के जंगलों में पाया जाता है। यह भारत, नेपाल, चीन, म्यांमार और भूटान में खासतौर से पाया जाता है। जहां तक अपने देश में रेड पांडा की मौजूदगी का सवाल है तो ये मुख्यतः पूर्वोत्तर के हिमालयी क्षेत्रों में खासकर सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश और पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग क्षेत्र में पाया जाता है। देश में करीब 10 ऐसे नेशनल पार्क और सैंचुरी हैं, जहां रेड पांडा को संरक्षित किया गया है। इसके अलावा, दार्जिलिंग के 'फ्रोजन जू' की पहल पर रेड पांडा का डीएनए संरक्षित किया जा रहा है। इस तकनीकी पहल से भारत में रेड पांडा प्रजाति का संरक्षण लंबे समय तक के लिए किया जा सकता है। *

मजेदार किताब / चंद्रप्रकाश

खेलगीतों का अनूठा संकलन

बच्चो, तुम कोई-न-कोई ऐसा खेल जरूर खेलते होगे, जिसे खेलते हुए गीत या जिंगल्स गाए जाते हैं। रंग-बिरंगे चित्रों से सजी-संवरी यह किताब 'गुमनाम खेलगीत' ऐसे ही खेलगीतों का अनूठा संकलन है। इस किताब में खेल-खेल में गाए जाने वाले अड़तीस छोटे-छोटे गीतों को संग्रहित किया गया है। इनमें से कई गीतों से तुम पहले से भी परिचित होगे क्योंकि तुमने भी खेलते हुए इन गीतों को कभी-न-कभी जरूर गाया होगा या गाते हुए खेल जरूर खेला होगा। कुछ तुक वाले तो कुछ बेतुके से लगने वाले, कुछ जाने-पहचाने, कुछ बिल्कुल नए-से ये खेलगीत तुम्हें खूब पसंद आएंगे। इस किताब की खास बात यह है कि इसमें संकलित इन गीतों को तुम्हारी ही उम्र के, छठी से लेकर नवीं कक्षा में पढ़ने वाले कई बच्चों ने मिलकर कलमबद्ध किया है। किताब के अंत में एक जगह उन खेलों को खेलने का तरीका भी बताया गया है, जिनके साथ ये खेलगीत गाए जाते हैं। *

किताबः गुमनाम खेलगीत, **लेखकः** अंकुर लेखक समूह, **चित्रः** पूजा के मेनन, **मूल्यः** 80 रुपए, **प्रकाशकः** एकलव्य फाउंडेशन, भोपाल और अंकुर सोसाइटी, दिल्ली

हंसगुल्ले

नैंसीः मिनी की मम्मी को सब क्या कहकर बुलाते हैं?
नव्याः ये तो मुझे नहीं पता, तुम बताओ।
नैंसीः मिनीमम (मिनी-मम)।
-खुशबू, ईमेल से

पापाः गाड़ी का पेट्रोल खत्म हो गया है, अब आगे नहीं जा सकते।
मीकूः कोई बात नहीं पापा ! गाड़ी को रिवर्स कर लीजिए, वापस घर चलते हैं।
-कमल, रायपुर

सोनूः ऐसा कौन-सा सेंटेंस है, जो हम बच्चे क्लास में सबसे ज्यादा बोलते हैं?
मोनूः 'मुझे नहीं पता।'
सोनू (हंसते हुए)ः हां-हां, बिल्कुल सही।
-साकेत, बिलासपुर

जीके क्विज-171

1. एशिया कप वूमेन हॉकी 2025 का खिताब किस देश ने जीता?
2. हाल में ही नियुक्त किए गए फ्रांस के नए प्रधानमंत्री का क्या नाम है?
3. देश के वर्तमान रेलमंत्री कौन हैं?
4. भारत का सर्वाधिक साक्षर राज्य कौन सा है?
5. भारत के 'मिसाइल मैन' के नाम से किसे जाना जाता है?
6. किस पठार को 'संसार की छत' कहा जाता है?
7. कौन-से दो विटामिन जल में घुलनशील होते हैं?
8. नाखून में कौन सा प्रोटीन पाया जाता है?
9. भारत के किस शहर को 'ब्लू सिटी' के नाम से जाना जाता है?
10. नीली क्रांति का संबंध किस क्षेत्र से है?

बच्चो, जीके क्विज-171 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-170 का उत्तरः 1.दूसरा, 2.टीसीए कल्याणी, 3.सी.पी. राधाकृष्णन, 4. 14 सितंबर 1949, 5. 22 भाषाओं को, 6.सिक्किम, 7.न्यूटन, 8.सिद्धार्थ, 9.शेरशाह सूरी, 10.श्रीलाल शुक्ल

जीके क्विज-170 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, आलोक-रायपुर, आद्या परी-मानपुर, रमेश-बैकुंठपुर,अश्विनी-राजनांदगांव, माधुरी-ईमेल से, भीमशंकर-डिंडौरी, नैतिक-मानपुर, ज्योति-बैकुंठपुर, आकाश-बिलासपुर

कहानी
विमला रस्तोगी

सामने शेर आ जाए तो बड़े-बड़े डर से कांप जाते हैं, लेकिन नन्ही चैताली के घर में जब शेर आ गया, वह डरी नहीं। उसने बहुत ही साहस और समझदारी से काम लिया। खूंखार शेर पकड़ा गया। चैताली ने यह कमाल कैसे कर दिखाया?

साहसी चैताली

कक्षा आठ में पढ़ती है चैताली। पढ़ने में अच्छी है। उसकी दो छोटी बहने हैं- मनसा और विद्या। चैताली के पिता खेत पर काम करते हैं। मां भी साथ चली जाती हैं। समय मिलने पर चैताली भी खेतों पर चली जाती है। दिन छिपे भी खेत से अकेली लौट आती है। उसे जरा भी डर नहीं लगता। चैताली के पिता ने उसे साइकिल दिला दी है। वह पास की तहसील के बाजार में साइकिल से जाकर घर की जरूरत का सामान ले आती है। आस-पड़ोस वालों का भी सामान ला देती है।

चैताली अपनी पढ़ाई करने के साथ, अपनी दोनों छोटी बहनों को भी पढ़ाती है। आस-पास के घरों के बच्चों को भी होम वर्क करा देती है। गांव में सब उसको बहुत मानते हैं। वह सबकी मदद करने को तैयार रहती है।

चैताली के गांव में कच्चे-पक्के दोनों तरह के घर हैं। चैताली के घर के दो कमरे पक्के (सीमेंट-ईटों से) बने हैं। खाना बरामदे में बनता है। आगे सब खुला है। बस छोटी-छोटी लकड़ियों के सहारे पौधे लगाकर चार दीवारी-सी बना ली है। एक दिन शाम होने को थी। चैताली अपनी सहेली सोनिया के साथ कमरे में बैठी बातें कर रही थी। दोनों छोटी बहनें पड़ोस में गई थीं। तभी चैताली को शेर के गुर्राने की आवाज सुनाई दी। वह एकदम चौकन्नी हो गई। सहेली को मुंह पर अंगुली रखकर चुप रहने का इशारा किया। दबे पांव बाहर आई। देखा दूसरे कमरे में शेर आ गया है। शेर का मुंह दीवार की तरफ था। चैताली ने हिम्मत से काम लिया। उसने सावधानी से कमरे की दोनों कुंडी झट से बंद कर दी। लंबी सांस ली और तुरंत वन विभाग के दफ्तर में फोन कर दिया। चैताली को पता था कि शेर आदमी से ज्यादा होशियार नहीं होता।

सोनिया को किसी से भी शेर के बारे में कुछ बताने से मना किया, लेकिन वह चैताली के घर से बाहर निकली और बाहर आकर उसने अपने घर वालों को शेर के बारे में बता दिया। सोनिया के घर वालों ने पास-पड़ोस में कह दिया। चैताली भी अपने घर के बराबर वाले मकान में आ गई। उधर गांव वाले लाठी-डंडे लेकर आ गए। चैताली ने सबके सामने आकर सबको रोका, 'आप लोग बिल्कुल शोर मत करें। पिछली बार गांव में जब शेर आया था, सबने उसका पीछा कर उसे जख्मी कर दिया। शेर खेतों में छिप गया, वन विभाग वालों को भी नहीं मिला। डर के मारे बच्चे कई दिनों तक स्कूल पढ़ने नहीं गए। बड़ी मुश्किल से वन विभाग वालों ने शेर पकड़ा।' चैताली ने आगे बताया, 'मैंने फोन कर दिया है, वन विभाग वाले आते ही होंगे।'

तभी चैताली के माता-पिता भी वहां आ गए। कभी शेर की आवाज आती, सब डर जाते लेकिन चैताली नहीं डरती। जल्द ही वन विभाग वाले आ गए। साथ में शेर को बंद करने वाला कटघरा भी लाए थे। आते ही सारे कर्मचारियों ने अपनी पोजीशन ले ली और बहुत ही सतर्कता से शेर को पिंजरे में ले लिया। पिंजरे में आकर शेर जोर-जोर दहाड़ा। अब गांव वाले नहीं डरे।

वन विभाग के अफसर ने चैताली के साहस की खूब प्रशंसा की। उन्होंने कहा, 'चैताली के साहस की जितनी प्रशंसा की जाए, कम है। अगर शेर को देखकर चैताली बस्ती में भागती, शेर उसके पीछे भागता, चैताली घायल होती या कोई गांव वाला या फिर शेर ही घायल हो जाता। पता नहीं शेर कब पकड़ा जाता। इस संकट की घड़ी में भी चैताली ने जिस धीरज, समझदारी और साहस का परिचय दिया। वह अपने आप में एक मिसाल बन गया है।'

सबने ताली बजाकर चैताली को शाबाशी दी। वह भी बहुत खुश थी। कुछ दिनों बाद तहसील में हुए कार्यक्रम में प्रशासन ने चैताली को मेडल देकर सम्मानित किया। चैताली के माता-पिता और गांव वाले सब बहुत खुश थे। *

कविता
सुरेंद्र विक्रम

पापाजी लाए गुब्बारे

रंग-बिरंगे सजे-धजे, आंखों के लगते सचमुच तारे
जितने सुंदर, उतने प्यारे, पापाजी लाए गुब्बारे।
ये अपनी धुन के पक्के हैं
कभी नहीं घबराते जी।
गैस भरी हो थोड़ी भी तो
सरपट दौड़ लगाते जी।
सचमुच कभी नहीं थकते, ये चलते पांव-पसारे
जितने सुंदर, उतने प्यारे, पापाजी लाए गुब्बारे।
सीधे-सच्चे, मन के अच्छे
जन्मदिवस पर सजते जी।
बिल्कुल केक नहीं खाते
बस फट-फटकर बजते जी।
इतने खुश रहते मानो, बढ़कर छू लेंगे चांद-सितारे
जितने सुंदर, उतने प्यारे, पापाजी लाए गुब्बारे।

रंग भरो-185

रंग भरो-185 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

आशना, जांजगीर

वेदिका, बालोद

इज्यान, सूरजपुर

लक्षिका, कोरबा

अदिति, बंजारी

रेयांश, बिलासपुर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

अतुल-कवर्धा, डिंपल-दुर्ग, रवि-बिलासपुर, सानवी-बिलासपुर, प्रियंका-रायपुर, लोकेश-जबलपुर, नीरज-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, कविता-कटनी, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, दिनेश-करनाल, विनोद-बिलासपुर, खुशी-कोरबा

रंग भरो 186

बच्चो, यहां दिए गए ब्लैक एंड व्हाइट चित्र में चिंटू और मिंकी स्लाइड पर फिसल रहे हैं। इस चित्र को तुम मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomi-hb@gmail.com पर मेल करो।